>

Title: Regarding interlinking of various rivers flowing in Madhya Pradesh with Narmada river for the benefit of the State.

श्री नारायण सिंह अमलाबे (राजगढ़): माननीय सभापति महोदय, किसी भी प्रदेश में बहने वाली जो मुख्य नदी होती है, वह उस प्रदेश की जीवनदायनी नदी कहलाती है। मध्य प्रदेश की जीवनदायनी नदी नर्मदा है। ...(व्यवधान) जिसे मध्य प्रदेश की जनता श्रद्धा से पवित्र नर्मदो मैया कहती है। परन्तु दुर्भाग्य से नर्मदा मैया का आशीर्वाद उसके पानी के रूप में मध्य प्रदेश को पूर्ण रूप से नहीं मिल पा रहा है। नर्मदा नदी की कुल लम्बाई लगभग 1213 कि.मी. है, जिसमें से वह लगभग 1077 कि.मी. मध्य प्रदेश में बहती है। नर्मदा नदी का 98 हजार वर्ग किलोमीटर कुल क्षेत्र है, जिसमें से 89 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र मध्य प्रदेश की सीमा में आता है। परन्तु वर्तमान में मध्य प्रदेश राज्य-केन्द्र द्वारा तय नर्मदा के जल का मात्र लगभग 16-17 फीसदी ही इस्तेमाल कर पा रहा है। शेष जल में से लगभग 40 फीसदी जल का उपयोग गुजरात राज्य में हो रहा है व बचा हुआ जल यूं ही खंबात की खाड़ी में जाकर समुद्र में मिल जाता है।

इस संबंध में मध्य प्रदेश शासन ने बहुत सी कार्ययोजनाएं बनाकर केन्द्र को प्रेषित की हैं, जिसमें से कुछ योजनाएं प्रस्तावित हैं और कुछ गतिमान भी हैं। परन्तु यदि मध्य प्रदेश राज्य वर्ष 2024 तक केन्द्र सरकार द्वारा 1979 में नर्मदा नदी के जल के संबंध में लिये गये निर्णय अनुसार आवंटित 18.25 मिलियन एकड़ फीट जल का इस्तेमाल नहीं कर सका, तो उक्त जल राशि गुजरात को आवंटित हो जायेगी तथा मध्य प्रदेश की जीवनदायनी नर्मदा मैया परायी हो जायेगी।

माननीय सभापति महोदय, इस संबंध में मेरा सरकार से विनम्र अनुरोध है कि मध्य प्रदेश राज्य से प्राप्त कार्य योजनाएं व प्रस्तावों को तुंत स्वीकृत कर राज्य सरकार को उन्हें अविलम्ब पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये जायें। साथ ही नर्मदा नदी के उद्गम स्थल से गुजरात की सीमा तक नर्मदा के सामान्तर भानरेर पर्वत तथा विन्ध्याचल पर्वत मालाएं आती हैं। इस संबंध में मेरा विशेष अनुरोध है कि भारत सरकार एक ऐसी कार्य योजना का प्रस्ताव राज्य सरकार से मंगवाये, जो भानरेर एवं विन्ध्याचल पर्वत से लिंक टनल अथवा लिफ्ट के माध्यम से बारहमासी नर्मदा का पानी केन, बेतवा, तवा, पार्वती, कालीसिंध व चंबल नदियों में तथा उक्त क्षेत्र में स्थित बांध व तालाबों में छोड़े जाने से संबंधित हो, जिससे मध्य प्रदेश का अधिकांश क्षेत्र जो कि इन नदियों के निकट है, वह स्वतः ही हरा-भरा हो सके।

महोदय, यह कार्य संभव है। जब चीन ब्रह्मपुत्र जैसी नदी का रास्ता बदल सकता है तथा फ्रांस से इंग्लैंड के मध्य समुद्र में रास्ता (इंगलिश चैनल) बन सकता है, तो नर्मदा का पानी भानरेर व विन्ध्याचल पर्वत मालाओं को क्यों नहीं पार करके उक्त नदियों में मिल सकता है।

सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

सभापति महोदय : जब आप दोबारा अपनी सीट की बजाय कहीं और से बोलें, तो पहले उसके लिए अनुमति लें।